



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23]
No 23]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 20, 1986/पौष 30, 1907
NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 20, 1986/PAUSA 30, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विभाग)

नई दिल्ली, जनवरी 1986

आदेश

का.आ. 24(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./85—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का.आ. 583(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./77, तारीख 23 जुलाई, 1977 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) मैगसे प्रिय लक्ष्मी मिल, बड़ोदा, गुजरात नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के अधीन इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया है और गुजरात स्टेट टेक्सटाइल कारपोरेशन को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था;

और उक्त आदेश की अवधि को, आदेश सं. का.आ. 521(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 22 जुलाई, 1982, का.आ. 28(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 19 जनवरी, 1983, का.आ. 15(अ)/19क/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 21 जुलाई, 1983.

का.आ. 35(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./84, तारीख 21 जनवरी, 1984, का.आ. 526(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./84, तारीख 21 जुलाई, 1984, का.आ. 39(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./85, तारीख 21 जनवरी 1985 और का.आ. 538(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./85 तारीख 19 जुलाई, 1985 द्वारा 21 जनवरी, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचन है कि उक्त आदेश 21 जुलाई, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि, के लिए प्रभावी बना रहे;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 21 जुलाई, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का.सं. 3(4)/75-सीयूएस]

ए.पी. सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY**(Department of Industrial Development)****New Delhi, the 20th January, 1986****ORDER**

S.O. 24 (E)|18A|IDRA|85.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development No. S.O. 583(E)|18A|IDRA|77, dated the 23rd July, 1977 (hereinafter referred to as the said Order) the management of the whole of the Industrial undertaking known as Messrs Priyalaxmi Mills, Baroda, Gujarat, was taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the date of publication of such order in the official Gazette, and the Gujarat State Textile Corporation was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, the duration of the said Order was extended upto and inclusive of the 21st January, 1986, vide Orders No. S.O. 521(E)|18A|IDRA|82,

dated the 22nd July, 1982; S.O. 28(E)|18A|IDRA|83, dated the 19th January, 1983, S.O. 15(E)|18A|IDRA|83, dated the 21st July, 1983, S.O. 35(E)|18A|IDRA|84, dated the 21st January, 1984, S.O. 526(E)|18A|IDRA|84, dated the 21st July, 1984, S.O. 39(E)|18A|IDRA|85, dated the 21st January, 1985 and S.O. 538(E)|18A|IDRA|85, dated the 19th July, 1985;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 21st July, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 21st July, 1986.

[File No. 3(4)|75-CUS]

A. P. SARWAN, Joint Secy.